Publication Name: Dainik Jagran
Publication Date: 24/03/2026
Edition: Muzaffarpur
Page No: 10
CCM: 135.43

The Power of Cooperation

सहकार की ताकत

सहकारिता विभाग ने हर गांव को डेरी कोआपरेटिव से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उद्देश्य है कि विभिन्न व्यावसायिक उद्यमों के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जाए। जाहिर तौर पर सहकार की इस ताकत से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसी उद्देश्य से दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों का गठन किया जा रहा है। इस कवायद में लगभग 50 व्यावसायिक परियोजनाएं लागू की जाएंगी। ये परियोजनाएं कृषि आधारित उद्योग और प्रसंस्करण इकाइयों के रूप में होंगी।

आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-छोटे कई प्रकार के उद्यम हैं, लेकिन इनके उत्पादों के लिए न तो बाजार मिल पाता है और न ही संगठनात्मक बल। जब ऐसी इकाइयां कोआपरेटिव से जुड़ेंगी तो बाजार के साथ-साथ सहकार की ताकत भी मिलेगी, जिससे अनिश्चितता का माहौल खत्म होगा। कई ऐसे कृषि उत्पाद हैं, जिन्हें यदि स्थानीय स्तर पर ही प्रसंस्कृत कर लिया जाए तो उन्हें बेहतर बाजार के साथ-साथ अच्छी कीमत भी मिल जाएगी। दुग्ध उत्पादक समितियों के गठन से दुग्ध और उससे जुड़े उद्यम को प्रगति की राह मिलेगी, जिसका लाभ ग्रामीण युवा स्वरोजगार के रूप में उठा सकते हैं। इस प्रयास को ग्रामीणों का सहयोग जरूरी है। सहकारिता विभाग व्यवस्था देगा, लेकिन करना ग्रामीणों को ही है। अतः कोशिश हो कि इस विभागीय कवायद में ग्रामीण बढ़ चढ़कर हिस्सा लें।

ग्रामीण इकाइयां जब कोआपरेटिव से जुड़ेंगी तो उन्हें बाजार के साथ-साथ सहकार की ताकत भी मिलेगी।